# सांसे हो रही हैं कम, आओ पेड़ लगायें हम

## शाश्वत कृषि और वानिकी तंत्र अपनाए।
## बेहतर तथा समृद्ध भविष्य पाए।

अनोखी विपणन प्रणाली: कंपनी की हरितगृहों से पौधे सीधे आपके खेत पर पहुँचाए जाते है।
कोई अतिरिक्त परिवहल शुल्क नहीं लिया जाता ।

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

# जामुन

जामुन का वृक्ष एक सदाबहार वृक्ष है. जो एक बार लगाने के बाद 50 से 60 साल तक पैदावार देता है. जामुन को राजमन, काला जामुन, जमाली और ब्लैकबेरी के नाम से भी जाना जाता हैं. वैसे तो जामुन का सम्पूर्ण वृक्ष उपयोगी होता है. लेकिन खाने के रूप में लोग इसके फलों को खाना ज्यादा पसंद करते हैं. इसके फलों का जैम, जेली, शराब, और शरबत बनाने में भी उपयोग लिया जाता है.

इसके फल काले रंग के होते हैं. जिनका गुदा गहरे लाल रंग का दिखाई देता है. इसके फल में अम्लीय गुण होता है. जिस कारण इसका स्वाद कसेला होता है. जामुन के अंदर कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जिनके कारण इसका फल मनुष्य के लिए उपयोगी होता है. इसके फलों को खाने से मधुमेह, एनीमिया, दाँत और पेट संबंधित बीमारियों से छुटकारा मिलता है.

KAUSHAL KISAN BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN
(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

## उपयुक्त भूमि

जामुन का पेड़ जल भराव या उचित जल निकासी वाली दोनों ही तरह की भूमि में लगाया जा सकता है. लेकिन अधिक पैदावार लेने के लिए जल निकासी वाली दोमट मिट्टी उपयुक्त होती है. इसके वृक्ष को कठोर और रेतीली भूमि में नही उगाना चाहिए. इसकी खेती के लिए जमीन का पी.एच. मान 5 से 8 के बीच में होना चाहिए.

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

# जलवायु और तापमान

जामुन के वृक्ष को समशीतोष्ण और उष्णकटिबंधीय जलवायु वाली जगहों पर उगाया जा सकता है. भारत में इसे ठंडे प्रदेशों को छोड़कर कहीं पर भी लगाया जा सकता है. इसके पेड़ पर सर्दी, गर्मी और बरसात का कोई ख़ास असर देखने को नही मिलता. लेकिन सदियों में पड़ने वाला पाला और गर्मियों में अत्यधिक तेज़ गर्मी इसके लिए नुकसानदायक साबित हुई है. इसके फलों को पकने में बारिश का ख़ास योगदान होता है. लेकिन फूल बनने के दौरान होने वाली बारिश इसके लिए नुकसानदायक होती है.

इसके पौधे को अंकुरित होने के लिए 20 डिग्री के आसपास तापमान की आवश्यकता होती है. अंकुरित होने के बाद पौधों को विकास करने के लिए सामान्य तापमान की जरूरत होती है.

KAUSHAL KISAN BIO PLANTTEC PVT. LTD.
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN
(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

# उन्नत किस्में

## 1. राजा जामुन

जामुन की इस किस्म को भारत में अधिक मात्रा में उगाया जाता है. इस किस्म के फल आकर में बड़े, आयताकार और गहरे बैंगनी रंग के होते हैं. इसके फलों में पाई जाने वाली गुठली का आकार छोटा होते हैं. इसके फल पकने के बाद मीठे और रसदार बन जाते हैं.

## 2. सी.आई.एस.एच. जे – 45

इस किस्म का निर्माण सेंट्रल फॉर सब-ट्रॉपिकल हॉर्टिकल्चर ऑफ़ लखनऊ, उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया है. इस किस्म के फल के अंदर बीज नहीं होते. इस किस्म के फल सामान्य मोटाई वाले अंडाकार दिखाई देते हैं. जिनका रंग पकने के बाद काला और गहरा नीला दिखाई देते है. इस किस्म के फल रसदार और स्वाद में मीठे होते हैं. इस किस्म के पौधे गुजरात और उत्तर प्रदेश में अधिक उगाये जाते हैं.

### 3. री जामुन

जामुन की इस किस्म को पंजाब में अधिक मात्रा में उगाया जाता है. इस किस्म के पौधे  बारिश में मौसम में फल देते है. इस किस्म के फलों का रंग गहरा जामुनी या नीला होता है. जिनका आकार अंडाकार होता है. इसकी गुठली बहुत ही छोटी होती है, और गुदा रसदार और हलकी खटाई के साथ मीठा होता है.

### 4. गोमा प्रियंका

इस किस्म का निर्माण केन्द्रीय बागवानी प्रयोग केन्द्र गोधरा, गुजरात के द्वारा किया गया है. इस किस्म के फल स्वाद में मीठे होते है. जो खाने के बाद कसैला स्वाद देते है. इसके फलों में गुदे की मात्रा ज्यादा पाई जाती है. इस किस्म के फल बारिश के मौसम में पककर तैयार हो जाते हैं.

### 5. काथा ( kaatha )

इस किस्म के फल आकार में छोटे होते हैं. जिनका रंग गहरा जामुनी होता है. इस किस्म के फलों में गुदे की मात्रा कम पाई जाती है. जो स्वाद में खट्टा होता है. इसके फलों का आकार बेर की तरह गोल होता है. इस किस्म को बहुत कम किसान भाई उगाते है.

## 6. भादो

इस किस्म के फल सामान्य आकार के होते हैं. जिनका रंग गहरा बेंगानी होता है. इस क़िस्म के पौधे पछेती पैदावार के लिए जाने जाते हैं. जिन पर फल बारिश के मौसम के बाद अगस्त महीने में पककर तैयार होते हैं. इस किस्म के फलों का स्वाद खटाई लिए हुए हल्का मीठा होता है.

## 7. सी.आई.एस.एच. जे – 37

इस किस्म का निर्माण सेंट्रल फॉर सब-ट्रॉपिकल हॉर्टिकल्चर ऑफ़ लखनऊ, उत्तर प्रदेश के द्वारा किया गया है. इस किस्म के फल गहरे काले रंग के होते हैं. जो बारिश के मौसम में पककर तैयार हो जाते हैं. इसके फलों में गुठली का आकार छोटा होता है. इसका गुदा मीठा और रसदार होता है.

इनके अलावा और भी कई किस्में हैं जिनकी अलग अलग प्रदेशों में उगाकर अच्छी पैदावार ली जाती हैं. जिनमें नरेंद्र 6, कोंकण भादोली, बादाम, जत्थी और राजेन्द्र 1 जैसी कई किस्में शामिल हैं.

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

# खेत की तैयारी

जामुन के वृक्ष एक बारे लगाने के बाद लगभग 50 साल तक पैदावार देते हैं. इसके पौधे खेत में गड्ढे तैयार कर लगाए जाते हैं. गड्ढों को तैयार करने से पहले खेत की शुरुआत में गहरी जुताई कर उसे कुछ दिन के लिए खुला छोड़ दें. खेत को खुला छोड़ने के कुछ दिन बाद फिर से खेत में रोटावेटर चलाकर मिट्टी में मौजूद ढेलों को नष्ट कर दें. उसके बाद खेत में पाटा लगाकर भूमि को समतल बना ले. खेत को समतल बनाने के बाद 5 से 7 मीटर की दूरी पर एक मीटर व्यास वाले डेढ़ से दो फिट गहरे गड्ढे तैयार कर लें. इन गड्ढों में उचित मात्रा में जैविक और रासायनिक खाद को मिट्टी में मिलकर भर दें. खाद और मिट्टी के मिश्रण को गड्ढों में भरने के बाद उनकी गहरी सिंचाई कर ढक दें. इन गड्ढों को बीज या पौध रोपाई के एक महीने पहले तैयार किया जाता है.

# सिंचाई

जामुन के पूर्ण रूप से विकसित पेड़ को ज्यादा सिंचाई की जरूरत नही होती. लेकिन शुरुआत में इसके पौधों को सिंचाई की आवश्यकता होती है. इसके पौधों या बीज को खेत में तैयार किया गए गड्डों में लगाने के तुरंत बाद उनकी पहली सिंचाई कर देनी चाहिए. उसके बाद गर्मियों के मौसम में पौधों को सप्ताह में एक बार पानी देना चाहिए. और सर्दियों के मौसम में 15 दिन के अंतराल में पानी देना उचित होता है.

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

## उर्वरक की मात्रा

जामुन के पेड़ों को उर्वरक की सामान्य जरूरत होती है. इसके लिए पौधों को खेत में लगाने से पहले तैयार किये गए गड्ढों में 10 से 15 किलो पुरानी सड़ी गोबर की खाद को मिट्टी में मिलाकर गड्ढों में भर दें. गोबर की खाद की जगह वर्मी कम्पोस्ट खाद का भी इस्तेमाल किया जा सकता है.

जैविक खाद के अलावा रासायनिक खाद के रूप में शुरुआत में प्रत्येक पौधों को 100 ग्राम एन.पी.के. की मात्रा को साल में तीन बार देना चाहिए. लेकिन जब पौधा पूर्ण रूप से विकसित हो जाये तब जैविक और रासायनिक दोनों खाद की मात्रा को बढ़ा दें. पूर्ण रूप से विकसित वृक्ष को 50 से 60 किलो जैविक और एक किलो रासायनिक खाद की मात्रा साल में चार बारदेनी चाहिए.

www.kaushalkisangroup.com

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

# खरपतवार नियंत्रण

जामुन के पौधों में खरपतवार नियंत्रण नीलाई गुड़ाई कर करनी चाहिए. इससे पौधों की जड़ों को वायु की उचित मात्रा भी मिलती रहती है. जिससे इसका वृक्ष अच्छे से विकास करता हैं. इसके पौधों की पहली गुड़ाई बीज और पौध रोपण के 18 से 20 दिन बाद कर देनी चाहिए. उसके बाद पौधों के पास खरपतवार दिखाई देने पर फिर से गुड़ाई कर दें. जामुन के पौधों को शुरुआत में अच्छे से विकसित होने के लिए सालभर में 7 से 10 गुड़ाई और व्यस्क होने के बाद चार से पांच गुड़ाई की जरूरत होती है. इसके अलावा पेड़ों के बीच खाली बची जमीन पर अगर कोई फसल ना उगाई गई हो तो बारिश के बाद खेत सूखने पर हलकी जुताई कर देनी चाहिए. जिससे खाली जमीन में जन्म लेने वाली खरपतवार नष्ट हो जाती हैं.

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम




## पैदावार और लाभ

जामुन के वृक्ष लगभग 4 साल बाद पूर्ण रूप से पैदावार देना शुरू करते हैं. पूर्ण रूप से तैयार होने के बाद एक पौधे से 120 से 150 किलो तक जामुन प्राप्त हो जाती है. जबकि एक एकड़ में इसके लगभग 150 से ज्यादा पेड़ लगाए जा सकते हैं. जिनका कुल उत्पादन 20,000 किलो तक प्राप्त हो जाता है. जिसका बाज़ार भाव 80-100 रूपये किलो के आसपास पाया जाता हैं. इस हिसाब से किसान भाई एक बार में एक एकड़ से लगभग 15-20 लाख तक की कमाई आसानी से कर सकते हैं.

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

## कौशल किसान ग्रुप ऑफ़ कम्पनी द्वारा किसानों को मुफ्त में दी जाने वाली सेवाएं :-




- पौधों को  किसानो के घर या खेत तक पहुंचाने के लिए मुफ्त वाहन सुविधा उपलब्ध करवाई जाती है।
- क्षतिग्रस्त पौधों की प्रतिस्थापना। यह सुबिधा सिर्फ एक बार के प्रतिस्थापन के लिए होती है ।
- २ साल तक कंपनी के कर्मचारियों द्वारा समय समय पर देखभाल की सुविधा दी जाती है।
- किसी भी सुझाव या शिकायत के लिए हमारे प्रतिनिधियों से मुफ्त तकनिकी सेवा फ़ोन द्वारा या ब्यक्तिगत रूप में ले सकते हैं
- किसी भी सुझाव या शिकायत के लिए कम्पनी का टोल फ्री नंबर उपलब्ध है -18001236246



www.kaushalkisangroup.com

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

**(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)**


**Corp. Office : H.No. 265, Opp.Tejaji Ka Mandir,**
**Khedli Phatak, Kota Raj. - 324001 | Ph.: 0744 2323168**

**Branch Office** : Plot.No. 194, R K Business Centre, Near, Shivaji Nagar, Nagpur, Maharashtra - 440010

**Branch Office** : Malaviya Chowk, Wing - B, 7th Floor, Ofiice No. 5, Gondal Road, Rajkot (GUG)

**Branch Office** : Near Agarwal Dharamshala, Sec. 11, Hiran Mangri, Udaipur Rajasthan - 313001

Toll Free No. 18001236246 | **Website :** www.kaushalkisan.com | www.navjeevanbio.com